आईआईएम : सीएम ने चिंतन शिविर को बताया नीति-निर्माण का सशक्त मंच

सीएम-मंत्री बने विद्यार्थी, समझी सुशासन, नेतृत्व और वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी रविवार को आईआईएम रायपुर में विद्यार्थियों की भूमिका में दिखाई दिए। इस दौरान विभिन्न विषय के विशेषज्ञों ने सुशासन, नेतृत्व, जनता का विश्वास हासिल करने और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के विषय में जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान कुछ विशेषज्ञों ने सरकारी और निजी व्यवस्था का हवाला देकर आम जनता को कैसे अच्छी सुविधाएं दी जा सकती हैं, इसकी भी जानकारी दी। साथ ही छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए भी कई अहम सुझाव दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंतन शिविर 2.0 जैसे प्रशिक्षण सत्र शासन को नया दृष्टिकोण और नीतिनिर्माण प्रक्रिया को सशक्त बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से मंत्रीगणों को सुशासन और परिवर्तनकारी नेतृत्व के महत्वपूर्ण गुर सीखने का अवसर मिलता है।

शेष@पेज 5

आईआईएम में चिंतन शिविर के दौरान सीएम विष्णु देव साय व मंत्रियों के आगे अपनी बात रखते आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय।

कार्यफल की आशा से नहीं करें : प्रो. राय

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने परिवर्तनकारी नेतृत्व एवं दूरदर्शी शासन विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने व्याख्यान में भगवद् गीता के श्लोकों के माध्यम से कहा, कार्य केवल फल की आशा से नहीं, बल्कि उसके सही होने के कारण किया जाना चाहिए।

पूंजीगत व्यय बढ़ाना जरूरी : प्रो. ढोलकिया

आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर डॉ. रविंद्र ढोलकिया ने सब्सिडी से सततता: विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार विषय पर प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि अच्छी विकास दर हासिल करने के लिए पूंजीगत व्यय बढ़ाना आवश्यक है।

पीएम के आर्थिक सलाहकार का संबोधन आज

चिंतन शिविर के दूसरे दिन सोमवार को सुबह योगाभ्यास से शुरुआत होगी। सत्र की शुरुआत पीएम के आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल के उद्बोधन से होगा। राजनीतिक विश्लेषक उदय माहुरकर अपनी बात रखेंगे।

Patrika 09-06-20205 Pn-01